# वार्षिक परीक्षा

## विषय- (हिन्दी प्रथम ) मंजरी

**समयः 2:30 घंटे** कक्षा–7 **पूर्णांक:50**

**1. निम्नांकित हिन्दी गद्यांश का भाव लिखिए। 10**

राजाः नही, मेरे सच्चे बहादुर मित्र। नही तुमको क्षमा नहीं कर सकता। मैं तुम्हारे जैसे नेक और सच्चे आदमियों के सम्मान का ऋणी हूँ। उठो, राज रत्न पुंडरीक, उठो। अपनी पदवी का प्रमाण और मेरी प्रसन्नता का चिन्ह यह तलवार लो। तुमने हमें जो सुख दिया है। उसके लिए एक हजार रूपये सालाना का पुरस्कार तुमको जीवन भर मिलता रहेगा।

राजा तलवार देता है पुड़रीक घुटने टेक कर उसे दोनो हाथों से लेता है और माथे से छुआकर राजा को प्रणाम करता है।

**2. निम्नांकित पद्यांश की पंक्तियों की सन्दर्भ व प्रसंग सहित भवार्थ लिखो।**

लघुता न अब मेरी छुओ
तुम हो महान बने रहो।
अपने हृदय के वेदना में व्यर्थ त्यागूँगा नही
वरदान मागूँगा नही

**अथवा**

निम्नलिखित भाव कविता की किन पंक्तियों में आये है–

(क) पीपल के पत्ते मानों ताली बजाकर नाच रहें है और नीम आनन्दित हो झूम रही है।

(ख) पानी की गिरती धाराओं से धरती के कण कण में हरे–भरे अंकुर फूट रहे है।

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 9**

(क) राज दरबार और दरबारी का कैसा चित्र खींचा?

(ख) सूखी धरती में पानी लौटने के साथ और क्या क्या परिवर्तन हुए?

**4. भारत के महान व्यक्तित्व पुस्तक के किसी पा का सारांश संक्षप में लिखो। 5**

**5. निम्नलिखित शब्दों में ईय प्रत्यय जोडकर नया शब्द बनाइए। 5**

राष्ट्र, जल, आकाश, संसद

**6. निम्नलिखित संस्कृत की पंक्तियों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 8**

एकदा नृपः उत्तम् अडकेकृत्वा अलालयत। तदानीम् एवं पंचवर्षीय बालकः ध्रुव तत्रागच्छत। स अपि नृपस्य अड उपवेशनाय अवा छत किन्तु नृप तं नोपविशयता तदा तत्र विष्टा विमाता। सुरूचिः ध्रुवम् अवदत– त्वं तपोवलेन यव ममकुक्षौ जन्मे ग्रहीष्यसि तदा राजाडक उपवेशव योग भविश्यसि इति।

**7. विशेषण विशेष्य का सही मिलान कीजिए। 4**

| क | ख |
|---|---|
| बालक | उत्तानपाद |
| महाराज | सुरूचिः |
| मतिमती | ध्रुव |
| कुटिल हृदया | सुनीति |